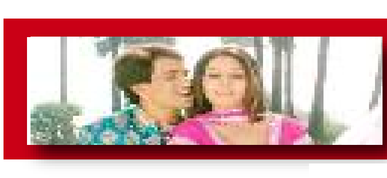

बिहार मे फिल्मसिटी बनबाक रास्ता साफ

मैथिली मे पहिल इ-पेपर

देशद्रोही क निर्माता कमाल कए भेटल धमकी

समाद

● पटना, 9 नवंबर,2008 ● साप्ताहिक ● अंक- 15 ● साल-1 ● इनटरनेट संस्करण

गंगा बनलथि राष्ट्रीय नदी

जदयू सांसदक इस्तीफा

नई दिल्ली। महाराष्ट्र मे उत्तर भारतीय पर भ रहल हमला क मुद्दा पर बिहार क राजनीति एकटा नव बाट पर विदा भ गेल। जदयू क पांचो सांसद शुक्र दिन लोकसभा स इस्तीफा द देलथि। जदयूक एहि नीति स राजद आ लोजपा क राजनीतिक स्थिति दांव पर आबि गेल अछि, मुदा सबस बेसी असमंजसक स्थिति भाजपाक अछि, जे एहि मुद्दा पर एहन धरि कोनो मत स्पष्ट नहि कए सकल अछि। उपमुख्यमंत्री सुशील मोदीक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल मे शामिल नहि हेबा पर सेहो बिहारक लोक भाजपा नेतृत्वक दबाव कहि रहल अछि। एहन मे बिहार मे भाजपा कए कांग्रेस स बेसी क्षतिक भ सकैत अछि। जानकाराक कहब अछि जे कांग्रेसक बिहार मे ओनाओ जनाधार कम अछि, मुदा भाजपा अगर अपन स्थिति स्पष्ट नहि करत त लोकसभा चुनाव मे ओकरा भारी क्षति भ सकैत छैक। इ गप भाजपा आलाकमान तक बिहारक नेता पहुंचा चुकलथि, मुदा शिवसेना आ राष्ट्रीय छविक कारण बिहारक पक्ष रखबा मे भाजपा पछुआ रहल अछि। ओना राजग मे राष्ट्रीय छविक सबस पैघ नेता आ जदयू क पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जार्ज फर्नांडिस क नेतृत्व मे पार्टी क पांचटा सांसदक इस्तीफा स भाजपाक नेताक सबटा बहाना बेअसर भ गेल अछि। इस्तीफा देनिहार सांसद मे फर्नांडिस क अलावा बिहार जदयू क अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ लल्लन सिंह, जदयू संसदीय दल क नेता प्रभुनाथ सिंह, दिवंगत सांसद अजित सिंह क कनिया मीना सिंह और कैलाश बैठा शामिल छथि।

गौरतलब अछि जे सोमनाथ चटर्जी क अस्वस्थ हेबाक कारणे हुनक अस्पताल स लौटलाक बाद एहि सांसद क इस्तीफा पर कोनो निर्णय लेल जाइत। जदयू संसदीय दल क नेता प्रभुनाथ सिंह इस्तीफा देबाक बाद पत्रकार से कहलथि जे 27 अक्टूबर कए नीतीश कुमार क नेतृत्व मे सबटा राजनीतिक दल क प्रतिनिधि प्रधानमंत्री स भेंट करि कए महाराष्ट्र मे भ रहल उत्तर भारतीय पर हमला क मुद्दा उठेलाह आओर ओकरा रोकबा लेल एक ज्ञापन देलथि, मुदा ओकर बादो हमला जारी अछि आ कोनो कार्रवाई नहि भ रहल अछि। एहन मे हमारा लग इस्तीफा क अलावा कोनो दोसर विकल्प नहि अछि। ई पुछला पर कि भाजपा या राजग एहि मुद्दा पर संग-संग किएक नहि अछि आ ई फैसला जदयू असगर किया लेलक? सिंह कहला जे भाजपाक नीति जदयू स भिन्न अछि आ हम भाजपाक गुलाम नहि छी आ नहि हम राजग स विवाह सन कोनो गठबंधन केने छी। जदयू बिहारक आ भारतक स्वाभिमान लेल किछु करि सकैत अछि। पासवान आ लालू क ई आरोप पर कि एहन फैसला सर्वदलीय बैठक मे लेबाक चाही आ सब कए सामूहिक इस्तीफा देबाक चाहि, सिंह कहलथि जे सर्वदलीय बैठक बिहार क विधायक भेल छल, सांसद नहि। अगर लालू या पासवान कए एहि पर आपत्ति छल त ओ दिल्ली मे सर्वदलीय बैठक बजा सकैत छलाह। ओनाओ संसद मे सबस पैघ दल हेबाक कारण लालू कए एहि लेल पहल करबाक चाहै छलैन। हमरे नेता नीतीश कुमार छथि आ ओ बिहार मे पहल करि कए सर्वदलीय बैठक केलथि। सिंह कहलथि जे लालू आ पासवान दरअसल मुद्दा कए भटका रहल छथि। आइ हमार पार्टी क लोक इस्तीफा देलक अछि, ओ दो दिन-पांच दिन क बाद इस्तीफा दे सकैत छथि। इस्तीफा देबाक फैसला हमर पार्टी क संसदीय दल क बैठक मे लेल गेल। ओ कहलथि जे किछु लोक सत्ता स चिपकल रहय चाहैत छथि, लालबत्ती क मोह नहि छूटि रहल छैन। हम इस्तीफा एहि लेल देलहु जे हम अपन गप जनता क सामने कहय चाहैत छी आ हम जनता क बीच जाइब। इस्तीफा मे सांसद चटर्जी स कहलेन अछि जे हमर देश क संविधान देश क कोनो नागरिक कए देश क कोनो क्षेत्र मे रहबाक, काज करबाक अधिकार दैत अछि। अगर कोनो राज्य एहन संविधान विरोधी अभियान चल रहल अछि, त केंद्र सरकार क संवैधानिक दायित्व अछि जे ओ संबंधित राज्य सरकार कए चेतावनी द कार्रवाई करे। राहुल राज क हत्या क बाद उप मुख्यमंत्री ई कहब जे गोली क जवाब गोली स देब, प्रमाण अछि जे महाराष्ट्र सरकार एहि मसला पर निष्पक्ष नहि अछि आ बिहारक प्रति दुर्भावना रखने अछि। प्रधानमंत्री सेहो एहि मुद्दा पर बेबस आ लाचार छथि। एहन मे कहि मुंह स हम एहि लोकसभा क सदस्य रहि सकैत छी।

नीतीश तोड़लथि एकता

पटना। राष्ट्रीय जनता दल आरोप लगेलक अछि जे ठाकरे परिवार क दबाव मे आबि कए महाराष्ट्र मुद्दा पर बिहार मे भेल सब दलक एकता कए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तोड़ि देलथि।

राजद क राष्ट्रीय महासचिव सह प्रवक्ता श्याम रजक और प्रांतीय महासचिव डॉ निहोरा प्रसाद यादव दावा केलथि जे महाराष्ट्र मुद्दा पर सब राजनीतिक दल क एकता स देश मे एकटा संदेश गेल छल। महाराष्ट्र सहित केंद्र सरकार तक डरा गेल छल। महाराष्ट्र क सरकार संग-संग बाल ठाकरे क परिवार आ भाजपा मे सेहो भय पैदा भ गेल छल, लेकिन जनता दल यूनाइटेड क वरिष्ठ नेता नीतीश कुमार शिव सेनाक दबाव मे आबि कए कोनो दल स राय केने बिना अपन दल क सांसद कए त्यागपत्र क नाटक केलथि अछि।

रजक जदयू क सांसद क त्यागपत्र कए नाटक करार दैत कहला जे एहि स बिहार कए कमजोर हेबाक संदेश गेल, जे राज्य क लेल काफी खतरनाक अछि। ओ नीतीश कुमार कए सिद्धांतविहीन नेता कहलथि, संगहि कहलथि जे जहि ठाकरे परिवार क गुंडा बिहारी पर जुल्म ढाई रहल अछि, नीतीश एहख धरि ओ परिवार स नाता नहि तोड़लथि अछि। राजग मे दूनू संग-संग छथि आ आडवाणी कए प्रधानमंत्री बनेबा लेल प्रयास करि रहल छथि। जखन कि आडवाणी एखन धरि एहि मुद्दा पर एक शब्द बजबाक कष्ट नहि केलथि अछि। भाजपा अध्यक्ष राजनाथ सिंह क चुप्पीक बावजूद नीतीश एखन धरि भाजपा स नाता नहि तोड़लथि अछि, मुदा सांसद स त्यागपत्र देबा मे कोनो देरी नहि करबाक पाछु जे कारण अछि ओ जनता बुझैत अछि। रजक कहलथि जे प्रधानमंत्री कए सौंपल गेल ज्ञापन भाजपाक नेता नंदकिशोर यादवक घर पर लिखल गेल। ज्ञापन मे शिवसेनाक उल्लेख तक नहि कैल गेल, एकर बावजूद सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडल मे उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी दिल्ली नहि गेलथि। एहन परिस्थिति मे भाजपा क संग नीतीश कुमार राज्य मे सत्ता सुख भोगि रहल छथि आ सांसद कए संसद स इस्तीफा दियबा वाहवाही लूटय चाहैत छथि।

28 नवंबर कए श्रीपांच महाराजा डॉ सर कामेश्वर सिंह क 101म जयंती पर *विशेष*

बिहारक सबस पैघ उद्योगपति क कथा

हम सब बिसरी गेलहु महाराज

बदलैत बिहार हमर नजरि स

पटना स्थिति विस्कोमान जेकर ऊपर घुमैत स्टोरेंट बनि कए तैयार अछि

देशद्रोही क निर्माता कमाल खान कए भेटल धमकी

फिल्म क जरिए हम ई संदेश देबाक कोशिश जरूर केलहु अछि जे एकटा भारतीय अपन देश मे कतहु जा कए रोजी, रोटी कमेबाक हक रखैत अछि। ओकरा एहन करबा रोकब देश क एकता आ अखंडता क संग खिलवाड़ करब थीक। आब अगर एहि नेक संदेश कए कोनो व्यक्ति या दल गलत तरीका या रूप स ल लिए त एहि मे हम की करि सकैत छी।

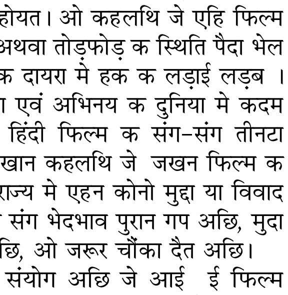

नई दिल्ली। मराठी अ गैर मराठीक मुद्दा पर बनल विवादित फिल्म देशद्रोही क निर्माता कमाल खान क कहब अछि जे हुनका एहि फिल्म कए सिनेमा घर मे रिलीज नहि करबा लेल लगातार धमकी भेट रहल अछि, मुदा ओ एहि धमकीक बावजूद एहि फिल्म कए निर्धारित कार्यक्रम क अनुसार रिलीज करताह। ओ कहलथि जे ई फिल्म 14 नवंबर कए देश भरि कए सिनेमाघर मे रिलीज कैल जाइत। भारत मे एकर 300 आ विदेशों मे 50 टा प्रिंट रिलीज होयत। ओ कहलथि जे एहि फिल्म कए रिलीज करबाक बाद अगर अप्रिय स्थिति अथवा तोड़फोड़ क स्थिति पैदा भेल त हम अदालत क शरण मे जाईब आ कानून क दायरा मे हक क लड़ाई लड़ब । रेडिमेड गारमेंट क बिजनेस संग फिल्म निर्माण एवं अभिनय क दुनिया मे कदम रखनिहार कमाल राशिद खान सितम नामक हिंदी फिल्म क संग-संग तीनटा भोजपुरी फिल्म क निर्माण करि चुकल छथि। खान कहलथि जे जखन फिल्म क निर्माण शुरु केलहुं तखन महाराष्ट्र मे या अन्य राज्य मे एहन कोनो मुद्दा या विवाद नहि छल। हालांकि महाराष्ट्र मे उत्तर भारतीय क संग भेदभाव पुरान गप अछि, मुदा हाल फिलहाल मे जे रूप अख्तियार केलक अछि, ओ जरूर चौंका दैत अछि।

खानक कहब अछि जे ई महज संयोग अछि जे आई ई फिल्म महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना बनाम उत्तर भारतीय क विवाद स जुड़ि गेल अछि, जखन कि एहि मे एहन कोनो विवाद कए तूल देबाक कोशिश नहि कायल गेल अछि। बल्कि विवाद कए मिली-जुली कए खत्म करबाक लोक स अपील कैल गेल अछि। ओ कहलथि जे हालांकि एहि फिल्म क विषय कए ल कए काफी हो हल्ला मचाउल गेल, मुदा हमर मानब अछि जे एहि मे एहन कोनो गप नहि कहल गेल अछि जाहि स कोनो व्यक्ति या राजनीतिक दल क भावना आहत हो। फिल्म क जरिए हम ई संदेश देबाक कोशिश जरूर केलहु अछि जे एकटा भारतीय अपन देश मे कतहु जा कए रोजी, रोटी कमेबाक हक रखैत अछि। ओकरा एहन करबा रोकब देश क एकता आ अखंडता क संग खिलवाड़ करब थीक। आब अगर एहि नेक संदेश कए कोनो व्यक्ति या दल गलत तरीका या रूप स ल लिए त एहि मे हम की करि सकैत छी।

खान कहैत छथि जे आरंभ मे एकरा सेंसर बोर्ड स मंजूरी नहि भेटल, जेकर कारण एकर रिलीज टाइल दिए पड़ल। एहि फिल्म क विषय कए ल कए किछु लोक आपत्ति केलथि। एकरा देश कए तोड़े वाला फिल्म कहलथि। मुदा सेंसर बोर्ड क सदस्य फिल्म देखलाक बाद एकरा देश तोड़े नहि, बल्कि देश कए जोड़े वाला मानलथि आ अंतत: एकरा बोर्ड पास करि देलक। खान कहलथि जे शिवसेना आ मनसे सन किछु राजनीतिक दल एहि फिल्म कए रिलीज करबा स पूर्व देखबाक इच्छा प्रकट केलक । ई फिल्म कुछ अन्य दल व मुंबई पुलिस क क्राइम ब्रांच सेहो देखए चाहलक। ताहि लेल मुंबई कए फन रिपब्लिक सिनेमा मे एकर विशेष प्रदर्शन कैल गेल। ओ कहलथि जे ओ एहि फिल्म मे अपने राज नामक युवक क किरदार निभौलथि अछि। फिल्म मे हुनक संग ग्रेसी सिंह, ऋषिता भट्ट, किम शर्मा क अलावा आर्यन वैद, अमन वर्मा, जुल्फी सईद, निर्मल पांडेय, मुकेश तिवारी, मनोज तिवारी, कादर खान, यशपाल शर्मा, रजा मुराद सन कलाकार काज केलक अछि, जखन कि सैफ अली खान क पूर्व प्रेमिका आ इटली की सुपर मॉडल रोजा कैस्टिलानो एहि मे आइटम सांग केलथि अछि।

बिहार मे बनत फिल्मसिटी

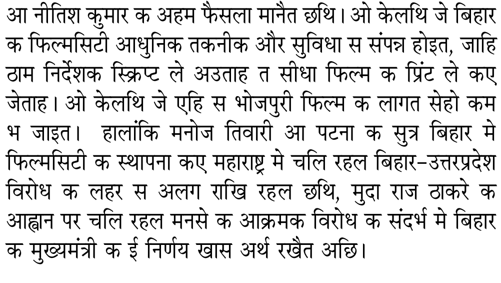

मुंबई। बिहार सरकार ई फैसला ल चुकल अछि जे प्रदेश मे जल्द स जल्द फिल्मसिटी क स्थापना कैल जाइत। काफी दिन स एहि दिशा मे विचार भ रहल छल। पूर्व सांसद आ सिने अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा आ प्रकाश झा एहि लेल पहिने मुख्यमंत्री स भेंट करि चुकल छथि। पिछला हफ्ता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार मे फिल्मसिटी क जरूरत पर नव सिरा स सोचैत ओकरा मंजूरी देबाक फैसला करि लेलैथि। एकर सूचना सूचना भोजपुरी क पॉपुलर स्टार मनोज तिवारी देलथि अछि। मनोज तिवारी क कहब अछि जे सोमवार दिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हुनका स फोन पर गप क दौरान ई शुभ सूचना देलखिन। उल्लेखनीय अछि जे तीन दिन पहिने भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री क प्रतिनिधी हवाला स ई खबरि आईल छल जे मुंबई स भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री शिफ्ट भ सकैत अछि।

मनोज तिवारी स्पष्ट केलथि जे हम सब भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री कए शिफ्ट करबाक गप नहि केने रहि। हम सब ई उम्मीद जाहिर केने रहि जे बिहार आ उत्तरप्रदेश क सरकार एहि दिशा मे पहल करि सकैत अछि। अगर एहि भोजपुरी भाषी प्रदेश मे फिल्मसिटी बनत त ओकरा स भोजपुरी फिल्म क विकास होइत। मनोज तिवारी केलथि जे मुख्यमंत्री हुनका संकेत देलखिन जे बिहार मे जल्द एकटा फिल्मसिटी क स्थापना लेल जमीन देल जाइत। एकरा लेल 150 एकड़ जमीन आवंटित भ सकैत अछि। पटना शहर स चालीस किलोमीटर दूर राजगीर क रास्ता मे फिल्म इंडस्ट्री क लेल जमीन क चयन भ चुकल अछि। पटना क सूत्र बता रहल अछि जे मुख्यमंत्री फिल्मसिटी क लेल रजामंद भ चुकल छथि। कोनो वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी कए फिल्मसिटी क स्थापना आ विकास क स्वतंत्र जिम्मेदारी देल जा सकैत अछि। मंगलवार दिन,11 नवंबर कए मुख्यमंत्री एकर संबंध मे एकटा बैठक करताह, जाहिमे मनोज तिवारी समेत फिल्म और प्रशासन स संबंधित अधिकारी शामिल हेताह। मनोज तिवारी बिहार सरकार क एहि पहल पर खुश छथि आ केलथि जे बिहार मे फिल्मसिटी बनत त ओकर सुविधा क लाभ हिंदी फिल्म क निर्माता सेहो उठा सकताह। रोजगार क अवसर बढ़त। भोजपुरी फिल्म क व्यस्त निर्माता अभय सिन्हा एकरा बिहार सरकार आ नीतिश कुमार क अहम फैसला मानैत छथि। ओ केलथि जे बिहार क फिल्मसिटी आधुनिक तकनीक और सुविधा स संपन्न होइत, जाहि ठाम निर्देशक स्क्रिप्ट ले अउताह त सीधा फिल्म क प्रिंट ले कए जेताह। ओ केलथि जे एहि स भोजपुरी फिल्म क लागत सेहो कम भ जाइत। हालांकि मनोज तिवारी आ पटना क सूत्र बिहार मे फिल्मसिटी क स्थापना कए महाराष्ट्र मे चलि रहल बिहार-उत्तरप्रदेश विरोध क लहर स अलग राखि रहल छथि, मुदा राज ठाकरे क आह्वान पर चलि रहल मनसे क आक्रमक विरोध क संदर्भ मे बिहार क मुख्यमंत्री क ई निर्णय खास अर्थ रखैत अछि।

हिट भ गेल ड्रीम प्रोजेक्ट

पटना । हिट भ गेल कृषि मंत्रीक ड्रीम प्रोजेक्ट। बिहारक किसान कए योजनाक जानकारी भेटल आ कृषि विभाग क अधिकारी कए ओकर फीडबैक। वैज्ञानिक सेहो मुफ्त मे सहलाह दइत रहला। कृषि वैज्ञानिक गांव की ओर कार्यक्रम स कृषि वैज्ञानिक आ विभाग कए अधिकारी खेत तक पहुंचलाह आ हुनका गांम तक ल जेबाक प्रयास सफल भेल। कृषि वैज्ञानिक खेत मे उतरि किसान कए सीधा आधुनिक खेतीक जानकारी देबा मे कोनो कोताही नहि बरतलाह। कृषि मंत्री लेल सबस पैघ चुनौती छल लगातार फरमान बावजूद अपन वातानुकुलित चेंबर स बाहर नहि निकलबाक आदत बनार चुकल अधिकारि लोकनि कए खेत तक आनब। अधिकारी आ वैज्ञानिक जखन खेत तक पहुंचला त किसानक दरबाजा खटखटाउल गेल। किसान सरकारक एहि योजना स पहिने त अचंभित भेलाह आ योजनाक लाभ लेबाक मे उत्सुकता नहि देखेलथि, मुदा धीरे-धीरे ओ एकर लाभ उठा खेत मे प्रयोग शुरू केलथि। कार्यक्रमक दौरान किसान वैज्ञानिकक गप ध्यान स सुनैत छथि, मुदा कृषि विभागक अधिकारी कए सुनेबा स नहि चुकैत छथि। कतेक ठाम त विभागक अधिकारी किसानक कोपभाजन बनला पर माफी तक मांगी लइत छथि। एहन अधिकतर कार्यक्रमक उद्घाटन स्वंय कृषि मंत्री नागमणि करैत छथि। एकर लोकप्रियताक प्रमाण अछि जे किसान क गप सुनबा लेल एखन धरि एक दर्जन मंत्री, 70 स बेसी विधायक आ एक हजार स बेसी पंचायत प्रतिनिधि कार्यक्रम मे हिस्सा ल चुकला अछि। बामेतीक निदेशक आरके सहानेक कहब छैन जे प्रखंड स्तर पर आयोजित होइवाला एहि कार्यक्रम कए गाम स्तर पर ल जेबाक प्रयास भ रहल अछि।

भाई-बहिनक प्रेम गाथा छी सामा-चकेबा

दरभंगा । भाई-बहिन क पवित्र प्रेम क प्रतीक पर्व सामा-चकेवा आइ अपन वजूदक लेल संघर्ष कए रहल अछि। ओना मिथिलाक किछु भाग मे एखनो लोकगीत स गुंजायमान एहि पर्वक महत्व कायम अछि। छठिक राति स कार्तिक पूर्णिमा तक बहिन क कंठ स निकलैत स्वर लहरी कान मे मधु टपकाबैत अछि। राति कए बहिन सामा-चकेवा क मूर्ति क संग-संग वृंदावन, चुगला आदि स भरल डाला ले कए सामूहिक रूप स जोतल खेत, खलिहान, चौक-चौराहा पर जुटय लगैत छथि। छोट-छोट नैना क संग-संग बूढ़िया बहिन तक एहि मे हिस्सा लैत छथि। एहि दौरान बहिन **'गाम कए अधिकारी तोहें बड़का भैया हो, हाथ दस पोखरि खुना दिए, चंपा फुल लगा दिए हे...'** आदि गीत क संग सामा-चकेवा क मूर्ति एक-दूसर क हाथ मे द कए पहिने अपन-अपन भाईक दीर्घ आयुक कामना करैत छथि। एहि पर्वक खास गप ई सेहो अछि जे एकर गीत मे पर्यावरण संरक्षण क संदेश सेहो देल जाइत अछि। कार्तिक पूर्णिमाक राति बहिन सामा-चकेवा क मूर्ति क संग-संग वृंदावन, चुगला आदि स भरल डाला ले कए जोतल खेत मे जमा होइत छथि। ओहि ठाम सबस पहिने शिरिक आदान-प्रदान होइत अछि। एहि प्रक्रियाक संबंध मे कहल जाइत अछि जे जतेक बहिन स शिरिक आदान-प्रदान करब भाइक बैस ओतेक बढ़त। ताहि लेल बहिन सब टोल-मोहल्लाक एकोटा मौगि स शिरिक आदन-प्रदान करब नहि बिसरैत छथि। एहि दौरान साउस-पुतहु व ननदि-भाउज एक-दोसरा स शिरिक आदान-प्रदान करैत गाउल गीत मे अपन सबटा भाईक नाम एक-एक कए लइत जाइत छथि। फेर प्रतीक रूप म वृंदावन मे आगि लगा कए ओहि मे चुगला कए जड़ा कए गबैत छथि,'वृंदावन मे आगि लागल कियो नहि मिझाबे हे, हमर बड़का-छोटका भईया मिलकए मिझाउत हे।'बहिन चूड़कक पुतला क मुंह झुलसा कए खराब चरित्र क प्रति विरोध दर्ज कै त ओकरा लेल अपशकुन क कामना करैत छथि। फेर पिछला 15 दिन मे बनाउल एक-एक टा सामा-चकेवा क मूर्ति कए लग कए घर दिस विदा भ जाइत छथि। मुदा भाग्य चक्र स बिमुख दू टा मैना, जेकरा बाटो-बहिन कहल जाइत अछि, तेकरा बाट पर छोड़ि दैत छथि। घर पहुंचला पर भाई स सामा-चकेवा क सबटा मूर्ति तुड़वा लैत छथि। एना खत्म होइत अछि सामा-चकेबाक शापित काल।

के छलीह सामा

ई लोकपर्व पद्म पुराण मे वर्णित भगवान श्रीकृष्ण क पुत्री साम्बवती व पुत्र साम्ब क पवित्र प्रेम पर आधारित अछि। चुड़क नामक एकटा चुगला श्रीकृष्ण लग चुगलि करैत अछि जे हुनक पुत्री साम्बवती वृंदावन जाइत काल ऋषि क संग रमण मे लागल छथि। चूड़कक मुख सई सुन क्रोधित भ श्रीकृष्ण पुत्री आ ऋषि दूनू के मैना बनि जेबाक शाप द देलथि। साम्बवती क वियोग मे ओकर वर चक्रवाक (चकेबा)सेहो मैनाक रूप धारण करि लैत अछि। साम्बवतीक भाई साम्ब जखन इ सुनलक त तपस्या करि पिता श्रीकृष्ण कए प्रसन्न करैत अछि आ बहिन-बहनोई कए शाप स मुक्त करैत अछि। ओहि दिन स मिथिला मे सामा-चकेवा पर्व छठिक पारण क राति स कार्तिक पूर्णिमा तक मनाउल जाइत अछि।

10 हजार उर्दू शिक्षक क नियुक्ति संभव

पटना। शिक्षक नियुक्ति क प्रक्रिया त पटरी पर दौड़े लगल मुदा विभिन्न जिला मे कोटिवार रिक्ति नहि दर्शाउल गेला पर आवेदक लेल परेशानी बढ़ि गेल अछि। सूत्र क अनुसार अधिकतर जिला मुख्यालय मे उर्दू आ शारीरिक शिक्षा क अलावा अन्य शैक्षणिक पद नहि अछि। एहि दिस विभाग आरक्षण रोस्टर क त कठोरता स पालन करबाक मन बना लेलक अछि। एकटा एहनो फार्मूला तैयार केलक अछि, जेकर स हर विद्यालय जाहि ठाम न्यूनतम 10टा छात्र अछि, ओहि ठाम एकटा उर्दू शिक्षक क नियुक्ति क प्रस्ताव अछि। एकटा अधिकारी नाम नहि छापबाक शर्त पर कहलथि जे एहि चरण क 80 हजार शिक्षक मे करीब दस हजार उर्दू शिक्षक क नियुक्ति होइत। मौलवी त एहि पद पर तैनात हेता, मुदा पैघ पैमाना पर संभावित पद कए देखैत लगैत अछि जे इंटर में उर्दू विषय मे नीक अंक लेनिहार अभ्यर्थी सेहो शिक्षक पद क प्रबल दावेदार हेताह। विभागीय सूत्र क अनुसार जाहि ठाम कोटिवार रिक्ति नहि दर्शाउल गेल अछि ओहि ठाम अभ्यर्थियों कए फिलहाल परेशान हेबाक जरूरत नहि अछि। संबंधित जिला अधिकारी कए पदवार व कोटिवार रिक्ति तैयार करि कए पठेबा लेल कहल जा चुकल अछि।

बिहार स सीख सकैत अछि उडीसा आ कर्नाटक

नर संहार आ पैघ राजनीतिक हत्या क लेल कहियो चर्चित रहल बिहार मे आब एहन घटना बीतल समयक गप भ चुकल अछि। मुदा, ई एनाए नहि भ गेल। नव-पुरान आपराधिक मुकदमा क त्वरित अदालती सुनवाइ आ फैसला इ कमाल करि देखेलक अछि। एकर राज्य मे आम शांति-व्यवस्था आ सांप्रदायिक माहौल पर सेहो सकारात्मक असर पड़ि रहल अछि। सांप्रदायिक दंगा स जूझ रहल उड़ीसा आ कर्नाटक सन राज्य कए एहि मामला मे बिहार स सबक सीखबाक चाही।

सुरेंद्र किशोर

बिहार मे राजनीतिक हत्या आओर नर संहार क अधिसंख्य आरोपित निचली अदालत स सजा सुन कए आइ राज्य क विभिन्न जेल मे अगर अपन ऐंड़ि रगड़ि रहल छथि, त एकर पाछु त्वरित अदालत क कमाल अछि। ताजा आंकड़ा क अनुसार बिहार मे अनेक स्थान मे कार्यरत त्वरित अदालत गत 33 महीना मे विभिन्न छोट-पैघ आपराधिक मामला मे अस्सी गोटे कए फांसी आओर 5575 गोटे कए आजीवन कारावास क सजा सुना चुकल अछि। एहि अवधि मे राज्य मे कुल सजा पेनिहार लोकक संख्या 25 हजार 755 अछि। केवल सितंबर मे तीन गोटे कए फांसी आओर 278 आरोपित कए आजीवन कारावास क सजा सुना देल गेल अछि। एखन त न्यायक ई चक्र चलि रहल अछि। एखन किछु आओर पैघ राजनीतिक आ गैर राजनीतिक बाहुबली हस्ती अदालत स अपन फैसला क इंतजार मे छथि। आम शांतिप्रिय लोक क नजरि सेहो एहि सुनवाई आ संभावित फैसला पर लगल अछि।

बिहार मे अनेक स्थान मे कार्यरत त्वरित अदालत गत 33 महीना मे विभिन्न छोट-पैघ आपराधिक मामला मे अस्सी गोटे कए फांसी आओर 5575 गोटे कए आजीवन कारावास क सजा सुना चुकल अछि। एहि अवधि मे राज्य मे कुल सजा पेनिहार लोकक संख्या 25 हजार 755 अछि। केवल सितंबर मे तीन गोटे कए फांसी आओर 278 आरोपित कए आजीवन कारावास क सजा सुना देल गेल अछि।

एहि बीच एखन धरि सजा पाउल एहि लोक मे कई टा एहन राजनीतिक हस्ति सेहो छथि, जिनका काल्हि तक बिहार क 'राजनीति कए ऊंट आ हाथी' मानल जाइत छले। ओ अपन इलाका मे अपने कानून छलाह। राजनीतिक संरक्षणप्राप्त एहने लोकक कारण कहियो पटना हाई कोर्ट क शब्द मे बिहार मे 'जंगल राज' छल। राज्य मे संगठित अपराध आ फिरौती क लेल भ रहल अपहरण क बाढ़ सन आबि गेल छल। व्यवयायी राज्य छोड़ि कए एक-एक करि बाहर भागि रहल छलाह। अपराधी कए प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप स संरक्षण देबा मे कोनो दल पाछु नहि छल, मुदा आब स्थिति बदलल अछि। ऊंट आब पहाड़ क नीचा अछि। कहियो बाहुबली क शरणस्थल बनल जदयू आ ओकर नेता बिहार मे सत्ता हासिल करबाक बाद कहि रहल छथि जे 'कानून अपन काज करैत रहत। हम नहि त ककरो फंसाइब आ नहि ककरो बचाइब।'

कईटा सजा पाउल हस्ति जेल क स्पेशल सेल मे कडगर पहरा मे रखल गेल छथि। एहि खबरक असर बाहर बचल अपराधी पर सेहो पड़ि रहल अछि। एहि स राज्य मे कानून व्यवस्था क स्थिति मे पहिने स काफी सुधार आइल अछि। हालांकि एखनो कोनो आदर्श स्थिति नहि अछि। पैघ अपराध रूकल जरूर अछि, मुदा छोट अपराध स एखनो लोक परेशान अछि। एखन आओर किछु 'ऊंट और हाथी' क खिलाफ जघन्य आपराधिक मामला क सुनवाई जारी अछि। पता नहि एखन आओर कतेक छोट- पैघ उंट, पहाड़ क नीचा आउत।

एहि त्वरित अदालत क गठन मे राज्य सरकार क संग-संग पटना हाई कोर्ट सेहो महत्वपूर्ण पहल केलक अछि। बिहार सरकार क महाधिवक्ता पीके शाही क अनुसार स्पीडी ट्राइल मे बिहार देश मे नंबर वन अछि। ओ कहैत छथि जे बिहार मे कानून क शासन लबैय लेल ई जरूरी अछि। राज्य क गृह सचिव अफजल अमानुललाह कहैत छथि जे राज्य सरकार त्वरित अदालत क संग-संग आब उच्च अदालत मे सेहो त्वरित अपील क दिशा मे कात करत, ताकि एहन मामलाक अंत जल्द स भ जाए। स्पीडी ट्राइल क माध्यम स जखन कईटा पूर्व सांसद, पूर्व विधायक आ मौजूदा विधायक अदालत क कठघरा मे पहुंच गेलाह त राज्य क राजनीति गरमा गेल। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कहलथि जे 'त्वरित अदालत कोनो व्यक्ति विशेष क खिलाफ नहि अछि, बल्कि सरकार एकर माध्यम स अपन संवैधानिक दायित्व निभा रहल अछि । सरकार नहि त ककरो बचा रहल अछि आ नहि त ककरो फंसा रहल अछि। जाहि मुकदमा क सिलसिला मे सजा सुनाईल जा रहल अछि, ओ पुरान मुकदमा छी।'

किछु राजनीतिक हस्ती कए सजा भेटला क बावजूद राज्य मे जखन कोनो खास राजनीतिक उथल -पुथल नहि भेल त ई मानि लेल गेल जे आम जनता सेहो कानून क शासन क पक्षधर अछि। बिहार क सबस पैघ उपलब्धि एकरे मानल जा रहल अछि जे बिहार मे नरसंहार बंद अछि आ पैघ राजनीतिक हत्या पर विराम लागि चुकल अछि। नहि त अपराधी प्रवृति क छोट -पैघ नेतागण आम तौर पर राज्य मे घातक हथियार क संग अपन लंबा-चौड़ा निजी आ सरकारी सुरक्षा दस्ता क संग सड़क पर नजरि अबैत छथि आ नहिये पैघ नेता प्रतिद्वंद्वी गिरोह क हमला स डरल रहैत छथि। एहि संदर्भ मे बिहार क कुछ पिछला नरसंहार आ राजनीतिक हत्या क नमूना क तौर पर चर्चा कैल जाए।

1987 मे औरंगाबाद जिला क दलेल चक बघौरा मे एक संगे 54 गोटे कए हत्या करि देल गेल। सन् 1992 मे गया जिला क बारा मे 35 गोटे कए मारि देल गेल। 1997 मे लक्ष्मणपुर बाथे मे 58 गोटे कए सामूहिक हत्या करि देल गेल। सन् 1999 मे जहानाबाद जिला क सेनारी मे 34 गोटे कए मारि देल गेल। औरंगाबाद जिला क मियांपुर क नरसंहार सन् 2000 मे भेल, जाहिमे 33 गोटे क जान गेल। एकर अलावा सेहो कईटा नरसंहार भेल जेकर चर्चा कम ठाम होइत अछि। मुदा आब एहन पैघ-पैघ नरसंहार पुरान खिस्सा बनि चुकल अछि। दोसर दिस, सन् 1995 क बिहार विधान विधान सभा चुनाव क बाद अगिला तीन साल मे बारी-बारी स चारि टा विधायक मारल गेलाह, जाहि मे एकटा पूर्व मंत्री सेहो छलाह। मृत्तक क नाम अछि, अशोक सिंह, देवेंद्र नाथ दुबे, ब्रिज बिहारी प्रसाद आ अजित सरकार। हिनकर अलावा पिछला दशक मे अनेक छोट -पैघ राजनीतिक हत्या भेल। ई आम तौर पर गिरोह क आपसी लड़ाई क परिणाम छल। मृतक आ आरोपित कए उच्चस्तरीय राजनीतिक संरक्षण प्राप्त छल। मुदा आब एहि मुकदमा क सुनवाई तेजी स भ रहल अछि आ आरोपित कए बारी- बारी स एहन पैघ- पैघ कठोर सजा भ रहल अछि, जेकर कहियो ओ बाहुबली कल्पना तक नहि केने छलाह। संभव अछि जे ओहि मे स किछु निर्दोष भ मुक्त भ जाइथ, जौ क संग घुन क भांति ओ पिस गेल होइत, ताहि लेल उच्च अदालत स छूट जाइथ। मुदा, सबहक संग एहन गप नहि अछि। बिहार मे स्पीडी ट्राइल क भारी सफलता स उत्साहित राज्य क मुख्य मंत्री नीतीश कुमार राष्ट्रीय एकता परिषद क हाल क बैठक मे ई सलाह देलथि जे हिंसा आ सांप्रदायिक तनाव पैदा करिनिहार कए जल्दी स जल्द सजा दियेबा लेल त्वरित अदालत क गठन क आवश्यकता अछि। ओ कहलथि जे 16 साल पहिने भेल भागलपुर दंगा क आरोपित कए एहि उपाय स हाल मे सजा दियाउल जा सकल। मुख्य मंत्री क एहि दावा मे कोनो अतिशयोक्ति नहि अछि। किया कि भाजपा क संग सरकार चला रहल नीतीश कुमार कए एखन धरि राज्य मे कोनो पैघ सांप्रदायिक उन्माद क सामना नहि करय पड़ल अछि। सांप्रदायिक उपद्रव क लेल हाल मे चर्चित उड़ीसा आ कर्नाटक क सरकार अगर चाहे त एहि मामला मे बिहार स सीख ल सकैत अछि। जाहिर अछि जे हर अपराध पर ओकर गंभीरता क अनुसार तौल कए अदालत सजा दिए त अपराध करबा स पहिने कोनो पैघ या छोट अपराधी सौ बेर सोचत। बिहार क बदल माहौल क ई संदेश चाहे त कर्नाटक आ उड़ीसा ग्रहण करि सकैत अछि, जाहि ठाम क बिगड़ सांप्रदायिक माहौल स देश कए लगातार बदनामी भ रहल अछि।

लेखक हिन्दुस्तानक पूर्व राजनीतिक संपादक आ बिहारक सबस पैघ स्तंभकार छथि

हिनक कहब अछि

कृपानन्द झा

चौकपर आणविक समझौता

सांझ काल गामक चौकपर गहमा-गहमी छलैक। टोनुआंक दोकानपर चाहक गिलास खनखना रहल छल, मंडलजी पान लगवइ मे व्यस्त छलाह। कनीक दूरपर दुर्गा मन्दिरक पुवरिया कात बनल चबुतरापर दस-बारहटा युवा आ वृद्ध सम सामयिक चर्चामे मग्न छलाह। बीचमे मन्नू भाइक आवाज जोड़स आइल। है! एहन कोन आफद आबि गेलैक अपन देशपर जे प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंहजी अपन देशक वैज्ञानिकक लगभग पछिला पचास वर्षक तपस्या, अनुसंधान आ भविष्यक आणविक सामरिक अनुसंधान कए अमेरिकाक हाथ बंधकी रखबापर उतारु भय गेल छथि।

गगनजी चबुतरापर स उचकि पानक पीक कातमे फेंकैत कहि उठलाह, कक्का! एहन गप नहि छैक। ई समझौता मात्र अपन देशक महज ऊर्जा आवश्यकता कए ध्यानमे राखि कएल गेल अछि!..

मन्नू भाई तम्बाकू ठेढ़मे दैत कहलखिन, हे। ई ऊर्जा आवश्यकता महज बहाना छैक। अमेरिका एहि बहाने अपन देशक स्वतन्त्र आणविक कार्यक्रममे टांग अड़ेबाक फिराकमे बहुत दिनस छल। आब ओ अपन मनशामे 123 समझौता आ ओहिमे हाइड एक्टक प्रावधान स सफल भय रहल अछि।

गगन जी थोड़ेक चिन्तित मुद्रामे कहलखिन- देखियउ कक्का, जहां तक 123 समझौता आ भारतक आणविक सामरिक कार्यक्रमक प्रश्न छैक त मात्र ओ सब रिएक्टर अंतरराष्ट्रीय एजेन्सीक देखरेखमे आनल जैत, जे सब रिएक्टर, भारत सरकार चाहतैक। त बाकी कार्यक्रमपर एकर असर नहि परतैक।

हां हौ! मुदा ई अनबाक कोन जरूरी छैक? मन्नू भाई आवेशमे बजलाह। ता धरि बैंकर साहेब सेहो सहटि कए चबुतरा दिश आबि गेल छलाह। गम्भीर आवाजमे मन्नू भाई कए सम्बोधित कए कहलखिन- भाई, किछु एहन प्रावधान सभ जरूरी छैक एहि समझौतामे, परन्तु ई सभ निर्भर करैत छैक जे भविष्यमे भारतक स्थिति अंतरराष्ट्रीय स्तरपर कतेक मजबूत रहैत छैक आ हमर राजनीतिज्ञ सब परिस्थितिस कतेक फायदा उठबैत छथि। कारण जे ड्राफ्ट एखन प्रस्तुत कएल गेल छैक ताहिमे कोनो कन्फ्लिक्टक स्थितिमे की कदम उठाइल जाइत आ ओ भारतक फायदामे होइत वा नुकसानमे से ओहि समयक देशक कूटनीतिज्ञ एवं अंतरराष्ट्रीय परिस्थितिपर निर्भर करत। परंच, वर्तमान परिस्थिति कए अगर देखल जाए त हमर देशक आणविक विद्युत उत्पादनक वर्तमान क्षमता मात्र 40-50 प्रतिशत उत्पादन भ रहल अछि बाकी आगू जे योजना छैक ओकरो अगर ध्यानमे राखल जाए त कहल जा सकैत अछि जे आणविक इन्धन एवं शान्तिपूर्व आणविकौपयोग स जुड़ल किछु तकनीक कए यथाशीघ्र आवश्यकता छैक।

हउ बैंकर! ई पक्ष त छैक, परंच एखनहु अगर सरकार आंतरिक संसाधन कए सही ढंग स दोहन करय त ई आणविक इंधनक समस्या अल्पकालिक साबित होयत। मन्नू भाई किछु शान्त मुद्रामे बजलाह। अपन बात कए आगू बढ़बैत कहलखिन जे हउ, एखनहु जे योजना सब झाड़खण्डक (जादूगुड़ा, बन्दूहुरंग, तुरमडीह) आन्ध्र प्रदेशक (तुम्मालापल्ली), कर्णाटक, मेघालय आ राजस्थान आदि राज्यमे चलि रहल छैक ओ अगर सही ढंग स कार्यान्वित काइल जाए त आणविक इन्धनक ई वर्तमान समस्याक समाधान आसानीस निकालल जा सकैत अछि।

चबुतराक उतरवरिया-पछवरिया कोन पर बैसल टुन्ना बाजि उठल, यौ कक्का, मंडलजी पानक दोकान आब बन्द करताह! 8 बाजि रहल छैक। बैंकर साहेब जोड़स कहलखिन- यउ मंडलजी! आठटा पान लगा कए एमहर पठाऊ।

चबुतराक पछवरिया कात मे मजहर सोचपूर्ण मुद्रामे सांझे स बैसल सबहक गप सुनि रहल छल। बैंकर साहेब मजहर कए कहलखिन- हउ मजहर! तू, एखन कम्पीटिशन सबहक तैयारी कए रहल छह। तू एहि सम्पूर्ण प्रकरण पर बहुत मंथन केने हेबह। आखिर तोहर सोच की छह?

मजहर खखसि गरदन साफ कए खखाड़ कातमे फेकैत बजल- भाईजी! अंतरराष्ट्रीय आ आर्थिक नीति काफी संकीर्ण विषय छैक। पहिल बात अछि जे हमरा लोकनि एनपीटी पर हस्ताक्षर केने बिना अंतरराष्ट्रीय आणविक बाजारमे सेंध मारवाक कोशिश करि रहल छी। एहि हालतमे किछु ने किछु अंतरराष्ट्रीय बंधन त स्वीकार करहिए परत। मुदा हम एकरा एकटा अवसरक रूपमे देखि रहल छिएक। आणविक क्षेत्रक किछु एहन पक्ष छैक जाहिमे हमर देशक अनुसंधान शायद अमेरिको स ऊपर अछि। हालमे एकटा रिपोर्ट पढ़ने रही, जाहिमे कहल गेल छैक जे भारतक वैज्ञानिक 2005 आ 2006 मे प्रकाशित अनुसंधान रिपोर्टक आधारपर तकनीकी रूप स समृद्ध देश सब कए सेहो पाछू छोड़ि आगू बढ़ि गेल अछि। एहि स्थितिमे आणविक इन्धन आ किछु तकनीकक आयात त महज अल्पकालिक छैक। दीर्घकालिक असर हमरा जनैत ई हेतैक जे भारत किछु दिनका बाद आणविक क्षेत्रमे एकटा पैघ निर्यातक भ कए उभरत। एकरामे तकनीकी क्षमता छैक आ आन्तरिक आणविक साधन, जे किछु काल पहिने चर्चा भेल जेना, झारखण्ड, आन्ध्रप्रदेश, मेघालय आदिमे उपलब्ध छैक तथा अंतरराष्ट्रीय आणविक सहयोगक माध्यम स एकटा पैघ निर्यातक भेनाइ सम्भव छैक।

तहि लेल हमर त एतबय कहब अछि जे जों एहि समझौता कए सही ढंग स उपयोग काइल जाए त ई अपन देशक लेल वरदान साबित होइत।

साभार : विदेह, मैथिलीक पहिल ई-पत्रिका स

अंक-15, साल-1, रजिस्ट्रेशन- आवेदित, स्नेह-छवि मिथिला स्कूल ऑफ आर्ट क लेल संपादक डाट वर्डप्रेस डाट काम स इंटरनेट संस्करण प्रकाशित. प्रधान समदिया : छवि झा, प्रबंध समदिया : सुषमा समदिया : कुमुद सिंह*, समाचार समदिया : प्रीतिलता मल्लिक, समदिया(दिल्ली) : गिन्नी सिंह ठाकुर, समदिया (नेपाल): ममता शंकर e_mail: esamaad@gmail.com (*खबरक चयनक लेल जिम्मेदार)